HD-05

December - Examination 2025
B.A. (Part-III) Examination
हिन्दी साहित्य
आधुनिक काव्य
Paper : HD-05

[*Time: **3** Hours*] [*Maximum Marks: **70***]

निर्देश :– यह प्रश्नपत्र 'अ', 'ब' और 'स' तीन खण्डों में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड के निर्देशानुसार प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

खण्ड–'अ' **7×2=14**

(अति लघु उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश :– **सभी** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को प्रश्नानुसार एक शब्द, एक वाक्य या अधिकतम **30** शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न **2** अंक का है।

1. (i) आ. रामचन्द्र शुक्ल ने आधुनिक काल को किस नाम से अभिहित किया है?
   (ii) किन्हीं दो लम्बी कविताओं के नाम लिखिए।
   (iii) खण्डकाव्य की परिभाषा दीजिए।
   (iv) 'परिवर्तन' कविता के लेखक कौन हैं?
   (v) 'प्रवाद पर्व' खण्डकाव्य का रचनाकाल क्या है?
   (vi) 'ब्रह्म राक्षस' कविता का प्रतिपाद्य क्या है?
   (vii) 'दो चट्टानें' कविता के लेखक कौन हैं?

खण्ड–'ब' **4×7=28**

(लघु उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश :– **किन्हीं चार** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को अधिकतम **200** शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न **7** अंक का है।

2. आधुनिक काव्य की पृष्ठभूमि पर एक टिप्पणी लिखिए।
3. खण्डकाव्य के रूप विधान का विवेचन कीजिए।
4. 'प्रवाद पर्व' खण्डकाव्य के कथ्य को लिखिए।
5. 'सरोज–स्मृति' कविता के अनुभूति पक्ष पर टिप्पणी लिखिए।
6. 'कुआनो–नदी' कविता के उद्देश्य पर टिप्पणी लिखिए।

7. सप्रसंग व्याख्या कीजिए –

अभिव्यक्ति स्वातन्त्र्य का अर्थ
यह नहीं होता कि
हम अपने व्यक्तिगत राग द्वेषों
आधारहीन अभिमतों
वक्तव्यों और शंकाओं को
सार्वजनिक रूप से
आक्षेपात्मक वाणी दें
जिससे
सामान्य जन–जीवन
राज्य और राष्ट्रीय गरिमा तथा
शीर्षतम व्यक्तियों की चरित्र मर्यादा पर
आँच आये।

8. सप्रसंग व्याख्या कीजिए –

नारी प्रतिनिधि है प्रकृति की
जो सृजन की अधिष्ठात्री।
मरण और विनाश
औ विध्वंस के कुविचार को वह
पास आने ही न देती।

9. सप्रसंग व्याख्या कीजिए –

मुझ भाग्यहीन की तू सम्बल
युग वर्ष बाद जब हुई विकल,
दुःख ही जीवन की कथा रही
क्या कहूँ आज, जो नहीं कही!
हो इसी कर्म पर वज्रपात
यदि धर्म, रहे नत सदा माथ।

खण्ड–'स' **2×14=28**

(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश :– **किन्हीं दो** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को अधिकतम **500** शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न **14** अंक का है।

10. खण्डकाव्य की परम्परा और विकास पर एक निबन्ध लिखिए।
11. लम्बी कविता के तत्वों के आधार पर 'ब्रह्मराक्षस' कविता का मूल्यांकन कीजिए।
12. 'परिवर्तन' कविता के अनुभूति एवं अभिव्यञ्जना पक्ष पर प्रकाश डालिए।
13. खण्डकाव्य के तत्वों के आधार पर 'प्रवाद–पर्व' का विवेचन कीजिए।